

Dattatreya Siddha Mangala Stotram

श्रीमदनन्त श्रीविभूषित अप्पललक्ष्मी नरसिंहराजा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ १ ॥

श्रीविद्याधरि राध सुरेखा श्रीराखीधर श्रीपादा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ २ ॥

माता सुमती वात्सल्यामृत परिपोषित जय श्रीपादा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ ३ ॥

सत्य ऋषीश्वर दुहितानन्दन बापनार्यनुत श्रीचरणा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ ४ ॥

सवितृकाठकचयन पुण्यफल भरद्वाज ऋषि गोत्र संभवा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ ५ ॥

दोचौपाती देव् लक्ष्मी घन सङ्ख्या बोधित श्रीचरणा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ ६ ॥

पुण्यरूपिणी राजमाम्बसुत गर्भपुण्यफल सञ्जाता
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ ७ ॥

सुमती नन्दन नरहरि नन्दन दत्तदेव प्रभु श्रीपादा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ ८ ॥

पीठिकापुर नित्य विहारा मधुमति दत्ता मङ्गलरूपा
जय विजयीभव दिग्विजयीभव श्रीमदखण्ड श्रीविजयीभाव ॥ ९ ॥

इति श्री सिद्ध मंगल स्तोत्र पूर्ण ॥